राधे गोविन्दा, गोपाला तेरा प्यारा .....

श्री राधे गोविन्दा, गोपाला तेरा प्यारा नाम है ।
गोपाला तेरा प्यारा नाम है, नन्दलाला तेरा प्यारा नाम है
श्री राधे गोविन्दा .....

मोर–मुकुट, माथे तिलक बिराजे, गल बैजन्ती माला,
कोई कहे वसुदेव का नन्दन, कोई कहे नन्दलाला ।
श्री राधे गोविन्दा .....

यमुना–किनारे कृष्ण कन्हैया, मुरली मधुर बजावे,
ग्वाल–बाल के संग में कान्हा माखन मिसरी खावे ।
श्री राधे गोविन्दा .....

जल में गज को ग्राह ने घेरा, जल में चक्र चलाया,
जब–जब भीड़ पड़ी भक्तन पर, नंगे पैरों आया ।
श्री राधे गोविन्दा .....

द्रोपदी ने जब तुम्हें पुकारा, साड़ी आन बढ़ाई,
भक्तों के खातिर आप बने प्रभु, आकर नन्दा नाई ।
श्री राधे गोविन्दा .....

अर्जुन का रथ तुमने हाँका, भारत भई लड़ाई,
नाम को लेकर विष भी पी गई, देखो मीराँ बाई ।
श्री राधे गोविन्दा .....

नरसी के सब काम सँवारे, मुझको मत बिसरा रे,
जन्म– जन्म से तेरी शरण, तेरा ही नाम पुकारे ।
श्री राधे गोविन्दा .....